(xix) Need to consolidate rivers embankments in Jharkhand with a view to checking recurring floods in the region

श्री रूपचन्द मुर्मू (झाड़ग्राम) : महोदय, झारखंड के राजमहल, साहेबगंज, उधवा, बरहरवा और पाकुड़ में बाढ़ और मिटटी कटाव से प्रतिवर्ष पांच लाख लोग प्रभावित होते हैं। फरक्का बांध के गर्भ सेलटिंग होने से चारों ओर पानी फैल जाता है और बाढ़ से करोड़ो रूपये की क्षति होती है। बाढ़ से गंगा का सतह छिछला हो जाने से पानी रूक नहीं पाता है। यहां के निवासियों को इन्दिरा आवास भी उपलब्ध नहीं होता क्योंकि बाढ़ से गंगा नदी का कटावा जारी है और जमीन भी उपलब्ध नहीं है। अभी हाल में केन्द्र सरकार ने करीब करोड़ रूपये की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की है परन्तु अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। बाढ़ से बचाव सरकार के एजेन्डा में भी है।

अतः बाढ़ से बचाने के लिए नदी के किनारे रक्षा बांध का निर्माण और प्रभावित लोगों को आवास के व्यवस्था के साथ साथ बाढ़ राहत उपलब्ध कराने हेतु त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।